मन धीर धरो घबराओ नहीं

मन धीर धरो, घबराओ नहीं,
भगवान मिलेंगे, कभी न कभी ॥
भगवान मिलेंगे, कभी न कभी,
भगवान मिलेंगे, कभी न कभी ।
मन धीर धरो,,,,,,,,,,,,

फूलों में नहीं, कलियों में नहीं,
काँटों में मिलेंगे, कभी न कभीं ॥
मन धीर धरो,,,,,,,,,,,,

सूरज में नहीं, चंदा में नहीं,
तारों में मिलेंगे, कभी न कभी ॥
मन धीर धरो,,,,,,,,,,,,

गंगा में नहीं, यमुना में नहीं,
सरयू में मिलेंगे, कभी न कभी ॥
मन धीर धरो,,,,,,,,,,,,

बागों में नहीं, खलियानो में नहीं,
जंगल में मिलेंगे, कभी न कभी ॥
मन धीर धरो,,,,,,,,,,,,

मंदिर में नहीं, मस्जिद में नहीं,
गुरद्वारे में मिलेंगे, कभी न कभी ॥
मन धीर धरो,,,,,,,,,,,,

मथुरा में नहीं, गोकुल में नहीं,
मेरे मन में मिलेंगे, कभी न कभी ॥
मन धीर धरो,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिल रामूर्ति भोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11135/title/mann-dher-dharo-gabraao-nhi-bhagwaan-milege-kabhi-na-kabhi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |